छत्तीसगढ़ में विरोध प्रदर्शन

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के बलौदा बाज़ार ज़िले में **अनुसूचित जाति सतनामी समाज** के कई सदस्यों ने अपने **धार्मिक स्थल जैतखाम पर अतिक्रमण के विरोध में हिंसक प्रदर्शन** करते हुए कलेक्ट्रेट भवन के एक हिस्से में आग लगा दी, वाहनों को क्षतिग्रस्त किया तथा पुलिस के साथ झड़प की।

मुख्य बिंदु:

- **जैतखाम**, जिसे **विजय स्तंभ** भी कहा जाता है, का छत्तीसगढ़ के **सतनामी समाज** में महत्त्वपूर्ण स्थान है।
- यह एक पूजनीय धार्मिक प्रतीक है जो **बुराई पर अच्छाई की विजय** और उक्त समाज की आध्यात्मिक विरासत **का प्रतिनिधित्व** करता है
- अमर गुफा में स्थित जैतखाम (धार्मिक स्तंभ) एक **उपासना स्थल और साथ ही सांस्कृतिक तथा धार्मिक समारोहों का मुख्य स्थल** है, जो सतनामी समाज के व्यक्तियों की पहचान तथा इतिहास को दर्शाता है।
- बलौदा बाज़ार ज़िले के गिरौधपुरी कस्बे में सतनामी समाज के जैतखाम धार्मिक स्थल पर तोड़-फोड़ की गई जिसके कारण यह विरोध प्रदर्शन किया गया।
- सतनामी समाज के सदस्य इस कृत्य को घोर अनादर तथा समाज की मान्यताओं एवं परंपराओं को क्षति पहुँचाने का प्रयास मानते हैं।

सतनामी समाज

- छत्तीसगढ़ के सतनामी समाज के व्यक्ति ब्रिटिश काल के दौरान **बंगाल में सामाजिक-धार्मिक आंदोलन** का गठन करने वाले व्यक्तियों का एक समूह थे
- इस आंदोलन की स्थापना और नेतृत्व **बिलासपुर ज़िले** के **घासी दास** ने किया था तथा उन्हें एक अछूत चर्मकार माना जाता था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/protests-in-chhattisgarh-1